आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 17.05.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

1. मायाबंदर स्थित डॉ. आर.पी. अस्पताल में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया।

2. परिवहन विभाग, द्वीपसमूह में सड़क सुरक्षा के लिए एकीकृत सड़क सुरक्षा जागरूकता और परिवहन सेवा आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

3. आपदा प्रबंधन की तैयारियों के तहत पशु मालिकों को पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता की रक्षा के लिए विभाग द्वारा परामर्श जारी किया गया है।

और

4. मौसम विभाग के अनुसार अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

<><><><><><><><>

मायाबंदर स्थित डॉ. आर.पी. अस्पताल में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में डेंगू नियंत्रण के लिए आवश्यक सभी निवारक उपायों, स्वच्छता संबंधी आदतों और साफ–सफाई बनाए रखने के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने, जल जमाव रोकने, घरेलू स्वच्छता बनाए रखने तथा डेंगू की रोकथाम में सामुदायिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। स्वास्थ्यकर्मियों को भी समुदाय आधारित रोकथाम रणनीतियों तथा डेंगू के लक्षणों की प्रारंभिक पहचान के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के अंतर्गत चल रहे 100 दिवसीय अभियान के तहत जनभागीदारी जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें क्षयरोग (टीबी) की रोकथाम, शीघ्र पहचान तथा उपचार के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता कार्ड की उपयोगिता और महत्व पर व्यापक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को डिजिटल स्वास्थ्य अभिलेखों के लाभ, पंजीकरण प्रक्रिया तथा स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी लाभ उठाने में आभा आईडी की भूमिका के बारे में अवगत कराया गया। यह कार्यक्रम डॉ. क्रिस्टीना रोसिटी, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, डॉ. आर.पी. अस्पताल, मायाबंदर के निर्देशन में आयोजित किया गया।

<><><><><><><><>

परिवहन निदेशालय, अंडमान निकोबार प्रशासन, द्वीप समूह में सड़क सुरक्षा के लिए अग्रणी एजेंसी के तौर पर, मई से सितंबर तक द्वीपों की विभिन्न पंचायतों, ग्रामीण इलाकों और उच्च शिक्षण संस्थानों में एकीकृत सड़क सुरक्षा जागरूकता और परिवहन सेवा आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम परिवहन विभाग की चल रही सड़क सुरक्षा जागरूकता पहलों के एक हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सड़कों का ज़िम्मेदारी से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना और जनता तक, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में, परिवहन से संबंधित नागरिक सेवाओं की घर–घर तक पहुँच सुनिश्चित करना है। यह आउटरीच कार्यक्रम दक्षिण अंडमान, लिटिल अंडमान, उत्तरी और मध्य अंडमान तथा निकोबार ज़िले में एक बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है।

<><><><><><><>

केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि देश ने एक दिन में रिकॉर्ड दो सौ छप्पन दशमलव 4 गीगावॉट बिजली की मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया है। श्री जोशी ने बताया कि कुल बिजली मांग का करीब तैंतीस प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि भारत का बिजली ढांचा अब पहले से ज्यादा मजबूत, भरोसेमंद और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो गया है।

<><><><><><><>

आपदा प्रबंधन की तैयारियों के तहत, पशु मालिकों और सार्वजनिक निकायों की पशु कल्याण सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आपदाओं का पशुधन पर मुख्य प्रभाव चारे की भारी कमी है, जो पशुओं के स्वास्थ्य, दूध उत्पादन और किसानों की आजीविका को बुरी तरह प्रभावित करता है। ऐसी आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए, विभाग महत्वपूर्ण उपायों की सिफारिश करता है: जिसमें चारे वाली फसलों की खेती, पशु मालिकों को अधिक पैदावार देने वाली चारे की फसलें, हाइब्रिड नेपियर, गिनी घास, मक्का, ज्वार, लोबिया और अन्य स्थानीय रूप से उपयुक्त किस्में उपलब्ध ज़मीन, तालाबों के किनारों और सामुदायिक क्षेत्रों में उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। चारे का संरक्षण और भंडारण किसानों को अतिरिक्त हरे चारे को सूखी घास और साइलेज के रूप में संरक्षित करना चाहिए। चारे के वैकल्पिक स्रोत एज़ोला और हाइड्रोपोनिक हरे चारे की बड़े पैमाने पर खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, साथ ही पेड़ों के चारे और स्थानीय रूप से उपलब्ध आहार संसाधनों के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सुरक्षित भंडारण चारे और पशु आहार को ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर भंडारित किया जाना चाहिए,

ताकि बारिश, बाढ़ और समुद्री जल के प्रवेश से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। पेयजल की तैयारी आपदा की चेतावनियों के दौरान पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल पहले से ही भंडारित कर लेना चाहिए। सामुदायिक भागीदारी, पंचायतों, सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय संस्थाओं को आपात स्थितियों के दौरान चारे के उत्पादन, संरक्षण और वितरण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। विभाग ने सभी पशु मालिकों से अनुरोध है कि वे प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपने पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता की रक्षा के लिए पहले से ही एहतियाती उपाय करें और चारे का पर्याप्त भंडार बनाए रखें। पशु मालिक किसी भी मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता के लिए अपने निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के द्वीप जैव विविधता पर ईआईएसीपी केंद्र अंडमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र द्वारा पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के प्रायोजन में ग्रीन स्किल डेवलप्मेंट कार्यक्रम के अंतर्गत जूनियर पैरा टैक्सोनॉमिस्ट एंड नेचर कन्ज़रवेटर और इको टूरिज़्म गाइड विषय पर तीन माह के प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस पाठ्यक्रम का समापन समारोह कल भारतीय प्राणी सर्वेक्षण कार्यालय में आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं में जैव विविधता सरंक्षण जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा तथा टैक्सोनॉमी प्रकृति संरक्षण और इको टूरिज़्म से संबंधित कौशल विकास को बढ़ावा देना था। समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रधान मुख्य वन सरंक्षक संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जीएसडीपी शिक्षार्थियों को विशेष ज्ञान और व्यवहारिक कौशल प्रदान करता है, जिससे वे स्वरोज़गार के साथ–साथ वन्य जीव, जैव विविधता और पर्यावरण क्षेत्र में रोज़गार प्राप्त कर सकें।

<><><><><><><>

भारतीय खेल प्राधिकरण की आवासीय रोइंग खिलाड़ी स्नेहा टोप्पो और पी. अलागम्मल ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अंडमान निकोबार द्वीपसमूह का नाम रोशन किया है। द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करते हुए रोइंग टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन, टीम भावना और खेल कौशल का परिचय देते हुए अस्मिता महिला लीग रोइंग चौंपियनशिप 2026 में रजत पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 12 से 17 मई तक उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित रामगढ़ ताल में आयोजित की जा रही है। साई एसटीसी श्री विजयपुरम ने इस उपलब्धि पर दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

<><><><><><><>

मौसम विभाग के अनुसार अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके साथ ही हवा के पचास से साठ किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ़्तार से चलने की अशंका जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में बताया गया है कि तेईस मई तक द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। समुद्र में तेज़ हवाओं और खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को इक्कीस मई तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>